मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के स्थापना दिवस सप्ताह पर व्याख्यानमाला का आयोजन, देशभर के विशेषज्ञ करेंगे संबोधित

बलरामपुर, 8 मार्च।

मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय में स्थापना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 से 14 मार्च 2026 तक “फाउंडेशन डे वीक लेक्चर सीरीज ” का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी, पीएचडी छात्र एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी सहभागिता करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह ने बताया कि इस व्याख्यानमाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को समकालीन विषयों से जोड़ना तथा अकादमिक संवाद को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध करते हैं और विद्यार्थियों में शोध, नवाचार तथा बौद्धिक विमर्श की भावना को बढ़ावा देते हैं।

व्याख्यानमाला के अंतर्गत 9 मार्च को **दैनिक जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के उपयोग** विषय पर महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ के कुलपति प्रोफेसर संजीव कुमार अपना व्याख्यान देंगे।

10 मार्च को **उच्च शिक्षा का वैश्वीकरण** विषय पर बीएचयू में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर टीपी सिंह अपना व्याख्यान देंगे।

11 मार्च को **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : दर्शन एवं क्रियान्वयन** विषय पर BHU ,IUCTE, Varanasi के निदेशक प्रोफेसर पीएन सिंह अपना व्याख्यानप्रस्तुत करेंगे।

12 मार्च को **भारतीय अर्थव्यवस्था : वर्तमान स्थिति और भविष्य परिदृश्य**, विषय पर BBAU विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर आरके मित्तल अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

13 मार्च को **भारतीय ज्ञान परंपरा : एक अनुशीलन** विषय पर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जीएल शर्मा का व्याख्यान होगा जबकि 14 मार्च को वरिष्ठ पत्रकार मधुकर उपाध्याय द्वारा **सीमांचल में पत्रकारिता : चुनौतियां एवं अवसर** विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा।

व्याख्यानमाला सायं 5:00 बजे से आयोजित की जायेगी। यह व्याख्यानमाला गूगल मीट पर आनलाइन आयोजित की जा रही है जिसका लिंक सभी को प्रेषित किया जायेगा।

कार्यक्रम का समापन 15 मार्च 2026 को "दुर्गा शतचंडी पाठ" के आयोजन के साथ होगा, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार की सुख-समृद्धि एवं प्रगति की कामना की जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों से इस व्याख्यानमाला में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया है। यह आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।